Downloaded From: http://iasexamportal.com

C–AVZ–O–MBXB

विधि

प्रश्न-पत्र—II

LAW

Paper—II

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each Section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Downloaded From: http://iasexamportal.com

Downloaded From: http://iasexamportal.com

खण्ड—अ

SECTION—A

Q. 1 **निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। विधिक उपबंधों और न्यायिक निर्णयों की सहायता से उत्तर दें :**

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements : **10×5=50**

Q. 1(a) "'अस्पृश्यता' से उपजी किसी निर्योग्यता को लागू करना अपराध होगा जो विधि के अनुसार दंडनीय होगा।'' सिविल अधिकारों के संरक्षण के प्रकाश में टिप्पणी कीजिए।

"The enforcement of any disability arising out of 'Untouchability' shall be an offence punishable in accordance with law." Comment in the light of protection of Civil Rights. 10

Q. 1(b) आपराधिक न्याय भारत में दोषकर्ता को दण्डित करके प्रशासित किया जाता है और दण्ड के उद्देश्य को विभिन्न अपराध-शास्त्रियों के द्वारा पृथक-पृथक रूप से विचारित किया जाता है।'' व्याख्या कीजिए।

"The criminal justice is administered in India by punishing the wrongdoer and the object of punishment is viewed differently by different criminologists." Elucidate. 10

Q. 1(c) "अपकृत्य विधि में, संयुक्त अपकृत्यकर्ताओं का दायित्व संयुक्त और पृथक-पृथक होता है।'' विवेचना कीजिए।

"Liability of joint tort feasors in Law of Tort is Joint and Several." Discuss. 10

Q. 1(d) "आपराधिक षड्यंत्र का अपराध गठित करने के लिए दो या अधिक व्यक्तियों के बीच कोई अवैध कार्य, अथवा कोई ऐसा कार्य, जो अवैध नहीं है, अवैध साधनों के द्वारा, करने की सहमति का होना अनिवार्य है।'' आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"To constitute the offence of criminal conspiracy there must be an agreement to do, or cause to be done, an illegal act, or an act which is not illegal by illegal means." Critically examine. 10

Q. 1(e) न्यायिक निर्णयों की सहायता से समझाइए कि भारतीय दण्ड संहिता की धारा 299(3) के अधीन आपराधिक मानववध कब धारा 300(4) के अधीन हत्या हो जाएगी।

Explain with the help of decided cases as to when Culpable Homicide under Section 299(3) will become Murder under Section 300(4) of Indian Penal Code. 10

Q. 2(a) "सद्भावपूर्वक दी गई संसूचना उस अपहानि के कारण अपराध नहीं है, जो उस व्यक्ति को ही जिसे वह दी गई है, यदि वह उस व्यक्ति के फायदे के लिए दी गई है।'' समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"No communication made in good faith is an offence by reason of any harm to the person to whom it is made, if it is made for the benefit of that person." Critically examine. 20

Downloaded From: http://iasexamportal.com

Downloaded From: http://iasexamportal.com

Q. 2(b) "भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अधीन उन विभिन्न परिस्थितियों को समझाइए, जिनमें लोक सेवक आपराधिक अवचार का अपराध करता हुआ कहा जाता है।"

Explain the various circumstances under which a 'public servant' is said to commit the offence of "Criminal misconduct" under 'The Prevention of Corruption Act, 1988'. 15

Q. 2(c) क्या बिना सदोष अभिलाभ या सदोष हानि कारित किए किसी को सम्पत्ति के कब्जे से वंचित करने का आचरण चोरी हो सकती है ? टिप्पणी कीजिए।

Whether the conduct of depriving someone from possession of property without causing wrongful gain or wrongful loss amount to theft ? Comment. 15

Q. 3(a) "उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 शिकायतों (परिवादों) के निवारण के लिए, तीन सोपानिक संरचना प्रदान करता है।" व्याख्या कीजिए।

"The Consumer Protection Act, 1986 provides a three tier structure for redressal of complaints." Elucidate. 20

Q. 3(b) "लोक न्यूसेंस (उपताप) एक अपराध है, जबकि निजी न्यूसेंस एक सिविल दोष है।" समझाइए।

"Public nuisance is a crime whereas private nuisance is a civil wrong." Explain. 15

Q. 3(c) "हाल के समय में अपकृत्य में राज्य के दायित्व में तीव्र परिवर्तन हुए हैं।" अद्यतन न्यायिक निर्णयों के प्रकाश में विवेचना कीजिए।

"State liability in Torts has undergone an acute transformation in recent times." Discuss in the light of latest judicial pronouncements. 15

Q. 4(a) न्यायिक निर्णयों की सहायता से ऐसी परिस्थितियों की विवेचना कीजिए, जिनमें अमानहानिकारक दिखाई देने वाले कथनों को वादी मानहानिकारक साबित कर सकता है।

Discuss with the help of judicial pronouncements the situations in which plaintiff may prove apparently non-defamatory statements as defamatory. 20

Q. 4(b) विनिश्चित मामलों की सहायता से चर्चा कीजिए कि कहाँ योगदायी उपेक्षा के मामलों में निर्णय देते समय न्यायालय वादी और प्रतिवादी दोनों की तरफ से उपेक्षा को ध्यान में रखती है।

Discuss with the help of decided cases where the Court while deciding cases on contributory negligence keeps in mind the negligence on the part of plaintiff and defendant both.

15

Q. 4(c) "चलने-फिरने की स्वतन्त्रता पर पूर्ण अवरोध, चाहे उसकी अवधि कितनी भी कम क्यों न हो, मिथ्या परिरोध की कोटि में आयेगा।" सुसंगत निर्णयजन्य विधि की सहायता से विवेचना कीजिए।

"Total restraint on the liberty of movement of a person, however short its duration may be, will amount to false imprisonment." Discuss with the help of relevant case law.

15

Downloaded From: http://iasexamportal.com

Downloaded From: http://iasexamportal.com

खण्ड—ब

SECTION—B

Q. 5 **निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। विधिक उपबंधों और न्यायिक निर्णयों की सहायता से उत्तर दें :**

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : **10×5=50**

Q. 5(a) एक गायिका A एक रेस्तरां के प्रबन्धक B से अगले दो माह के दौरान प्रति सप्ताह में दो रात, उसके रेस्तरां में गाने की संविदा करती है और B उसे हर रात में गाने के लिए ₹ 5,000 देने के लिए वचनबद्ध होता है। छठी रात को A उस रेस्तरां से जानबूझकर अनुपस्थित रहती है और परिणाम-स्वरूप B उस संविदा को विखंडित कर देता है। विनिश्चय कीजिए।

A, a singer, contracts with B, the manager of a restaurant, to sing at his restaurant for two nights every week during next two months; and B engages to pay to her 5,000/- rupees for each night's performance. On the sixth night, A wilfully absents herself from the restaurant and B, in consequence, rescinds the contract. Decide. 10

Q. 5(b) "लोकहित मुकदमा (पी.आई.एल.) याचिका भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत, उच्चतम न्यायालय में दाखिल नहीं की जा सकती, केवल यदि मूल अधिकारों के प्रवर्तन से संबन्धित प्रश्न सन्निहित हो।" समीक्षा कीजिए।

"PIL writ petition cannot be filed in the Supreme Court under Article 32 of Indian Constitution only if a question concerning the enforcement of 'Fundamental Rights' is involved." Comment. 10

Q. 5(c) "हर करार, जिससे उसका कोई पक्षकार किसी संविदा के अधीन या बारे में अपने अधिकारों को मामूली अधिकरणों में प्रायिक विधिक कार्यवाहियों द्वारा प्रवर्तित कराने से आत्यंतिकत: अवरुद्ध किया जाता है, या जो उस समय को, जिसके भीतर वह अपने अधिकारों को इस प्रकार प्रवृत करा सकता है, परिसीमित कर देता हो, उस विस्तार तक शून्य है।" इस सिद्धांत के यदि कोई अपवाद हों, तो समझाइए।

"Every agreement by which any party thereto is restricted absolutely from enforcing his rights under or in respect of any contract, by the usual legal proceedings in the ordinary Tribunals, or which limits the time within which he may thus enforce his right is void to that extent." Explain the exceptions, if any, of this principle. 10

Q. 5(d) 'लोगों के स्वास्थ्य पर ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव' पर एक टिप्पणी लिखिए।

Write a note on 'Impact of noise pollution on the health of the people.' 10

Q. 5(e) बीच-बचाव (मध्यस्थता) के विभिन्न सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

Discuss the various principles of 'mediation'. 10

Q. 6(a) "अवक्रय करार एक उपनिधान जमा विक्रय करने का करार है।" समझाइए।

"A hire purchase agreement is a bailment plus an agreement to sell." Explain. 20

Downloaded From: http://iasexamportal.com

Downloaded From: http://iasexamportal.com

Q. 6(b) "वह संविदा, जिसके द्वारा एक पक्षकार दूसरे पक्षकार को स्वयं वचनदाता के आचरण से या किसी अन्य व्यक्ति के आचरण से उस दूसरे पक्षकार को होने वाली हानि से बचाने का वचन देता है, 'क्षतिपूर्ति की संविदा' कहलाती है।" समझाइए।

"A contract by which one party promises to save the other from loss caused to him by the conduct of the promisor himself or by the conduct of any other person, is called, a contract of indemnity". Explain. 15

Q. 6(c) पेटेंट अधिनियम, 1970 के अधीन अनिवार्य अनुज्ञप्ति (लाइसेंसिंग) के विभिन्न उपबंधों की विवेचना कीजिए।

Discuss various provisions of Compulsory Licencing under Patents Act, 1970. 15

Q. 7(a) "विद्यमान विवादों के बारे में 'माध्यस्थम् करार' मुख्य संविदा में माध्यस्थम् खण्ड के रूप में हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता है।" समझाइए।

"An 'Arbitration Agreement' with respect to existing disputes, may or may not be in the form of an Arbitration clause in the main contract." Explain. 20

Q. 7(b) "संविदा के मानक प्ररूप में, अन्तर्निहित शोषण की सम्भावना के विरुद्ध व्यक्ति संरक्षण दिए जाने के योग्य होता है।" समझाइए।

"The individual deserves to be protected against the possibility of exploitation inherent in 'Standard Form of Contract'." Explain. 15

Q. 7(c) अवयस्क के करारों से संबंधित विधि समझाइए।

Explain the law relating to minor's agreements. 15

Q. 8(a) "माल विक्रय की संविदा में माल में सम्पत्ति या स्वामित्व विक्रेता से क्रेता को चला जायेगा, जिसमें पक्षकारों का आशय हो।" आवश्यक विधिक उपबंधों और निर्णयजन्य विधि की सहायता से, इस कथन को समझाइए।

"In a contract of sale of goods property or ownership in the goods will pass from seller to the buyer which the parties intend to pass." Explain the statement with necessary legal provisions and case law. 20

Q. 8(b) 'वार्ता और पृष्ठांकन' से क्या अभिप्रेत है, स्पष्टत: समझाइए। साधारण समुनदेशन से वार्ता किस प्रकार भिन्न है ?

Explain clearly what is meant by 'negotiation and endorsement'. How does negotiation differ from ordinary assignment ? 15

Q. 8(c) विभिन्न परिस्थितियों को समझाइए, जिनमें फर्म का विघटन किया जा सकता है। फर्म के विघटन के पश्चात् भागीदारों के अधिकार और दायित्व क्या-क्या होते हैं ?

Explain the various circumstances in which a firm may be dissolved. What are the rights and obligations of partners after dissolution of firm ? 15

Downloaded From: http://iasexamportal.com

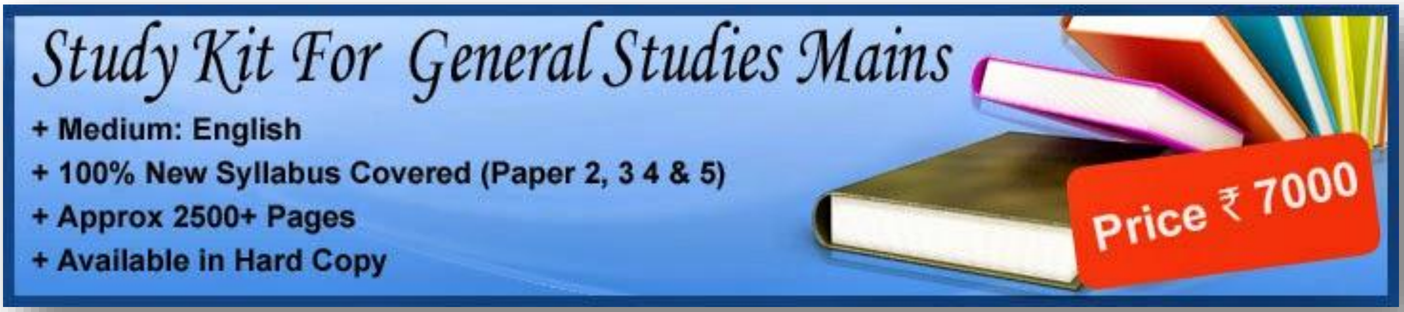

What you will get:

- 100% G.S. Syllabus Covered
- 8+ Booklets
- More Than 2500+ Pages
- Guidance & Support from Our Experts

Our Objectives:

- Firstly to cover 100% civil service Mains examination (IAS) syllabus.
- Secondly to compile all the required study materials in a single place, So to save the precious time of the aspirants.

For More Information Click below Link

http://iasexamportal.com/civilservices/study-kit/gs-mains

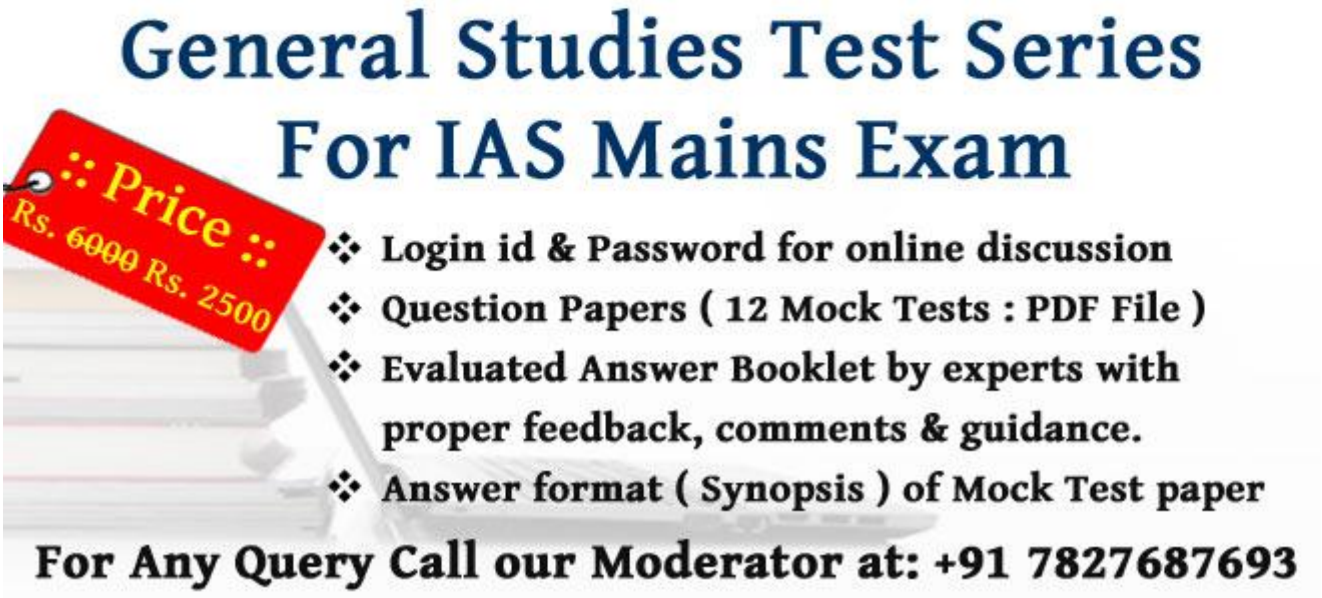

General Studies Test Series for IAS Mains Examination

What you will get:

- **Login id & Password for online discussion**
- **Question Papers (12 Mock Tests : PDF File)**
- **Evaluated Answer Booklet by experts with proper feedback, comments & guidance.**
- **Answer format (Synopsis) of Mock Test paper**
- **Comprehensive analysis of previous year questions &**
- **Mode of Discussion: Email ,Telephonic and Online Discussion**
- **Value Addition material like**

  a. **Current General Studies Magazine**
  b. **Solved papers of General Studies Mains 2013**
  c. **Categorised question papers of last ten years of General Studies Mains Exam**
  d. **Trend Analysis**

For More Information Click below Link

http://iasexamportal.com/civilservices/test-series/ias-mains-gs

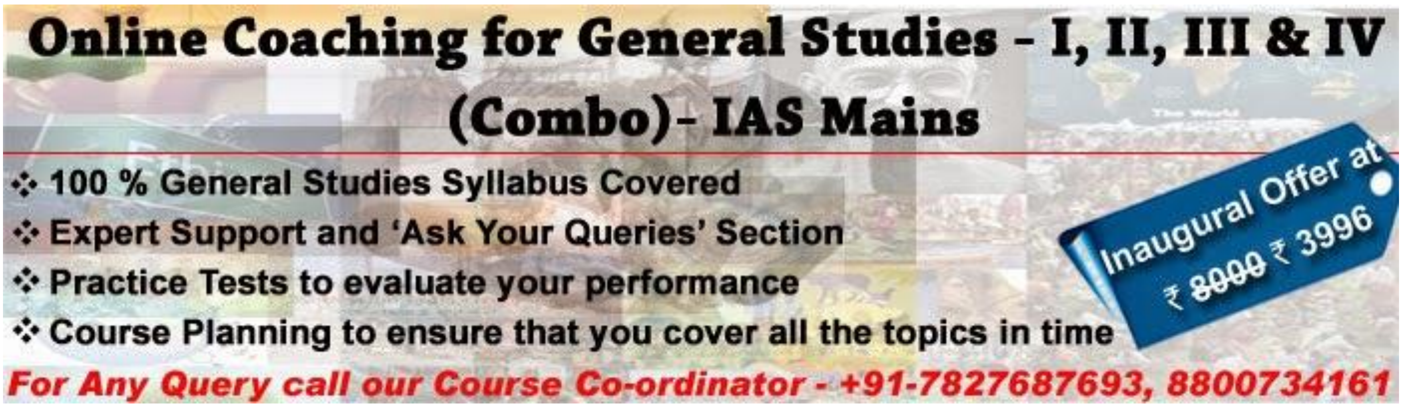

Online Coaching for IAS Mains General Studies I, II, III & IV (Combo)

What you will Get (?)

- General Studies (Paper – I, II, III & IV) Online 100 % Reading Material of the Syllabus (Which can be saved easily)
- Slides (For Giving Summary of Each Topics)
- Categorized Unit and Sub-Unit Wise Question Papers of General Studies
- Current General Studies Magazine (Indispensable Magazine for General Studies)
- Daily Answer Writing Challenge for IAS Mains Contemporary Issues
- It is full of tips on areas of emphasis, caution while reading and writing , how to write the answer (?) .
- Model Test Question Paper for General Studies - I, II, III and IV for Mains Exam 2015
- Online and Telephonic interaction with the course director, and continuous evaluation through a regular online writing session in every chapter and topic.

For More Information Click below Link

http://iasexamportal.com/civilservices/courses/ias-mains-gs-combo